जिन्दगी । By Ranjeeta Shahi

हर ख़ुशी मिल रही हे श्याम तेरे दरबार से आई हूँ शरण तिहारी जबसे खाली ना आई मैं हर बार रे

जिनकी कृपा से जिन्दगी कटती है शान से उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से

महिमा मैं जब से गाये रही वाणी के रूप मैं करुणा की छाँव मिल रही संकट की धूप में कश्ती भवर से निकली है हर एक तूफ़ान से उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

है कौन जिसपे श्याम का जादू नहीं चला जादू से इसके कोई कैसे बचे भला मुस्कान इसकी भक्तों को मारे है जान से उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

इनकी कृपा की प्रेमियों वाह वाह क्या बात है ऊँगली अगर बढ़ाओ तो पकडे ये हाथ है गाता सकल जगत ये ही दिल से जुबां से उनको रिझा रही हूँ मैं सरगम की तान से जिनकी कृपा से ज़िन्दगी कटती है शान से

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9c%e0%a4%bc%e0%a4%bf%e0%a4%a8%e0%a5%8d%e0%a4%a6%e0%a4%97%e0%a5%80-by/